ले. जनरल के.टी. पारनाईक
पीवीएसएम,यूवाईएसएम,वाईएसएम (से.नि.)
राज्यपाल, अरुणाचल प्रदेश

राजभवन
ईटानगर - 791111

# संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की 115वीं जयंती के अवसर पर 20-21 सितंबर 2023 को एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

रामधारी सिंह 'दिनकर' हिन्दी के एक प्रमुख लेखक, कवि एवं निबंधकार थे। वे आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में स्थापित हैं। वे राष्ट्रीयता को काव्य की मूल-भूमि मानते थे। वे स्वतंत्रता पूर्व एक विद्रोही कवि के रूप में और स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रकवि के नाम से जाने गये। उनकी कविताओं में ओज, विद्रोह, आक्रोश और क्रांति की पुकार है तो दूसरी ओर कोमल श्रृंगारिक भावनाओं की अभिव्यक्ति है।

हिन्दी एक व्यापक, समृद्ध और जीवंत भाषा है। हिन्दी भाषा अपनी सरलता, व्यापकता एवं ग्रहणशीलता के कारण भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रवर्तक है। यह देश के जनमानस के हृदय को स्पर्श करती है। आज के वैश्वीकरण के संदर्भ में, हिन्दी भाषा ने विश्व पटल पर अपनी अद्वितीय पहचान बनायी है। अतः हमारा यह तर्कसंगत एवं संवैधानिक दायित्व बनता है कि हम हिन्दी भाषा को अपने पत्राचार में अपनाएं और इसके विकास में अपना योगदान दें।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका के माध्यम से विश्व के विभिन्न भाषा-भाषी जन समुदाय को हिन्दी से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा तथा उन्हें मौलिक लेखन का अवसर भी उपलब्ध होगा।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं स्मारिका के सफल प्रकाशन की मैं कामना करता हूँ तथा स्मारिका के प्रकाशक मंडल को बधाई एवं शुभकानाएँ देता हूँ।

लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. पारनाईक
पी.वी.एस.एम.,यू.वाई.एस.एम.,वाई.एस.एम. (से.नि.)